भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4406
20.08.2025 को उत्तर देने के लिए

पीएलएफएस निष्कर्षों का उपयोग

4406. श्री प्रताप चंद्र षडङ्गीः
डॉ. विनोद कुमार बिंदः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विभिन्न मंत्रालयों द्वारा बेरोजगारी और कौशल विकास चुनौतियों के समाधान के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के निष्कर्षों का उपयोग किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार पीएलएफएस डेटा रुझानों पर कार्रवाई करने के लिए विकसित किसी अंतर-मंत्रालयी समन्वय तंत्र को जानकारी प्रदान करती है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क): भारत में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) द्वारा प्रदान किए गए अनुमान श्रम सांख्यिकी पर आधिकारिक डेटा स्रोत के रूप में कार्य करते हैं और विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा योजना, नीति निर्माण, और निर्णय लेने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं। ये सांख्यिकीय संकेतक विशिष्ट उद्योगों और व्यावसायिक क्षेत्रों में रोजगार प्रवृत्तियों के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं, जिससे लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों के विकास में सहायता मिलती है।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) व्यावसायिक प्रशिक्षण, रोजगार, बेरोजगारी और श्रम बल भागीदारी के रूझानों का विश्लेषण करने के लिए पीएलएफएस के डेटा का उपयोग करता है। सर्वेक्षण में प्राप्त व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति के संबंध में सूचना दी गई है, जो जेंडर, आयु वर्ग और प्रशिक्षण के क्षेत्र के आधार पर विभाजित है, जिससे मंत्रालय को साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण तथा कौशल विकास पहलों की पहुंच का आकलन करने के लिए सहायता मिलती है।

(ख)और (ग): नियमित रोजगार डेटा संग्रहण, विश्लेषण और रिपोर्टिंग के लिए एक तंत्र विकसित करने हेतु सचिव (श्रम एवं रोजगार) की अध्यक्षता में एक कोर समूह का गठन किया गया है। इस कोर समूह में कृषि, वाणिज्य, सड़क परिवहन, एमएसएमई, डीपीआईआईटी, सां.और कार्य.कार्या.मंत्रा., एमएसडीई, कपड़ा, रेलवे, नीति आयोग जैसे प्रमुख मंत्रालयों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, रूपरेखा की समीक्षा करने और पीएलएफएस सहित सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जा रहे सर्वेक्षणों के विषय, परिणाम, कार्यप्रणाली, प्रश्नावली आदि पर समय-समय पर उठाए गए मामलों का पता लगाने के उद्देश्य के लिए संचालन समिति/तकनीकी सलाहकार समूह आदि का गठन किया गया है, जिसमें केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों, राज्यों/संघ राज्यों क्षेत्रों, शिक्षा, अनुसंधान, अर्थशास्त्र, वित्त आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ सदस्य शामिल हैं।

*****